सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

द रुरल कनेक्ट

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

जनवरी 2023 खंड 2 अंक 7 पृष्ठ 8 www.mgncre..org

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

"नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से देश पहली बार दूरंदेशी और भविष्योन्मुखी शिक्षा प्रणाली तैयार कर रहा है। जब शिक्षा प्रणाली में नई पीढ़ी बचपन से बेहतर विकसित होगी, तो देश के लिए आदर्श नागरिक भी अपने आप निर्मित होंगे" प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा

"प्रशिक्षुता प्रशिक्षण और उद्यमिता को बढ़ावा देना कौशल विकास के सबसे स्थायी स्वरूपों में से एक है" श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री ने बल दिया। एन.ई.पी. 2020 के महत्व और कौशल की महत्वपूर्ण आवश्यकता को दोहराते हुए श्री प्रधान ने कहा ----

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण और व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने को देश की शिक्षा प्रणाली में प्रमुख सुधारों के रूप में चिन्हित किया गया है। एन.ई.पी. 2020 छात्रों के व्यक्तित्व में नैतिक, सामाजिक और भावनात्मक भागफल के विकास के साथ-साथ छात्रों में छिपी रचनात्मकता, उच्चतर स्तरीय तार्किक और समस्या समाधान क्षमताओं को विकसित करने पर विशेष ध्यान देता है। मूल्य-आधारित शिक्षा पर जोर, कौशल विकास की मुख्य धारा और मातृभाषा में सीखने पर जोर शिक्षा को बदल रहा है और एन.ई.पी. में परिकल्पित परिणाम दे रहा है। स्थानीय भाषा और मातृभाषा में शिक्षा आदिवासी आबादी को सशक्त बनाएगी। कौशल विकास का प्रभाव समाज के हर घटक विशेषकर हमारे युवाओं पर पड़ता है। हमारी शिक्षा प्रणाली ने ज्ञान और जोखिम प्रदान किया है लेकिन हमारे युवाओं को रोजगारपरक बनाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हमें शिक्षा और रोजगार के बीच तालमेल बनाना होगा। हमारी कौशल विकास रणनीतियां भविष्यवादी होनी चाहिए और आधुनिक आकांक्षाओं को पूरा करना चाहिए। प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही है और कौशल उनमें से प्रत्येक का हिस्सा हैं। हमें अपने युवाओं में आत्मविश्वास की भावना विकसित करनी होगी जो उन्हें कुशल बनाकर और उनकी क्षमताओं से अवगत कराकर संभव है। इसके लिए कार्यबल की स्किलिंग, री-स्किलिंग और अपस्किलिंग की आवश्यकता है।

स्रोत:pib.gov.in

"2023 की शुभकामनाएं। यह वर्ष सभी के लिए नई आशा, नए वादे, भरपूर खुशियां, स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि लाए। जैसे-जैसे एक और वर्ष सामने आ रहा है, यह नई शुरुआत का भी समय है और व्यक्तिगत और राष्ट्रीय प्रगति के लिए मजबूत संकल्प हैं। ***श्री धर्मेंद्र प्रधान***

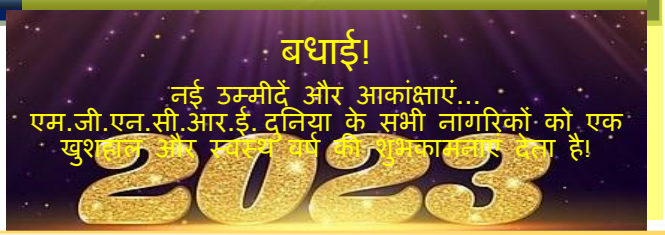

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता, ग्रामीण उद्यमिता, ग्रामीण प्रबंधन, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल के एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए संकाय की क्षमता निर्माण, कौशल निर्माण के साथ छात्रों को सशक्त बनाने, छात्र उद्यमिता, इंटर्नशिप और शिक्षुता को बढ़ावा देने, छात्र स्वयं सहायता समूह (एस.एस.एच.जी.) बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

समीक्षा में 2022

- 50 संकाय विकास कार्यक्रम
- 13 राष्ट्रीय 2-दिवसीय कार्यशालाएं
- एस.सी.ई.आर.टी. में 15 कार्यशालाएं
- सामाजिक उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता पर 154 कार्यशालाएं
- 728 छात्र स्वयं सहायता समूहों का गठन
- 9 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए
- देश भर में जिला कलेक्टरों/मजिस्ट्रेटों द्वारा छात्र उद्यमिता पर 52 पोस्टर विमोचन किए गए
- विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में 428 पोस्टर विमोचन किए गए
- एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स/ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग्स
- उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ निरंतर जुड़ाव

एफ.डी.सी. एम.जी.एन..सी.आर.ई. में एफ.डी.पी. प्रगति पर है

एस.सी.ई.आर.टी. तेलंगाना में कार्यशाला

एम.जी.एन.सी.आर.ई. और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन - प्रो. मुकेश पांडेय, कुलपति सहित अन्य अधिकारी

संपादक की टिप्पणी

एक और वर्ष ने संभावनाओं और उम्मीदों से भरे एक नए वर्ष को रास्ता दे दिया है। सभी के लिए एक खुश और स्वस्थ नया वर्ष और मैं उत्तरोत्तर उत्पादक होने के लिए बढ़ते वर्ष की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों के प्रयासों का समर्थन करने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता और कारीगरी दोनों को बढ़ावा देने के लिए छात्र स्वयं सहायता समूहों (एस.एस.एच.जी.) के गठन का आह्वान करके उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है। छात्र स्वयं सहायता समूह आपसी मदद, एकजुटता और संयुक्त जिम्मेदारी के सिद्धांतों पर काम करते हैं। एस.एस.एच.जी. विकास के विचारों और सूचनाओं के प्रसार के लिए एक मंच, सामुदायिक लामबंदी के लिए एक संघ या अन्य सामाजिक-आर्थिक हस्तक्षेपों के साथ जुड़ने के लिए एक संगठनात्मक इकाई भी बन सकते हैं।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा 5-दिवसीय एफ.डी.पी. में सामाजिक कार्य पाठ्यचर्या में कौशल को शामिल किया गया, जिसमें विशेषज्ञ अपने पेशेवर इनपुट के साथ ट्यूनिंग कर रहे थे। प्रशिक्षु क्षेत्र में सामाजिक कार्य के अभ्यास के लिए आवश्यक विभिन्न कौशल सीखते हैं और अभ्यास करते हैं। बैचलर ऑफ सोशल वर्क चार वर्षीय यू.जी. डिग्री (अनुसंधान के साथ सम्मान) के पाठ्यक्रम विकास पर कार्यक्रम में एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्तियों के साथ हैदराबाद, दिल्ली और आंध्र प्रदेश के सामाजिक कार्य चिकित्सकों, विशेषज्ञों और संकायों ने भाग लिया।

वीडियो केस स्टडी व्यक्तिगत प्रशंसापत्र सीधे क्षेत्र से प्रदान करते हैं जो दर्शक के साथ भावनात्मक संबंध स्थापित करने में मदद करता है। मानवीय चेहरे को कहानी से जोड़ना शक्तिशाली है, और हमारे 95% निर्णय अवचेतन रूप से हमारी भावनाओं से प्रेरित होते हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. अब पाठ्यक्रम समर्थन और संसाधनों के लिए ऑडियो विजुअल संसाधनों के हिस्से के रूप में वीडियो केसलेट बना रहा है।

यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एच.ई.आई. में 728 छात्र स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया था जो चुनिंदा मील के पत्थर के दिनों में अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को आधार बनाएंगे और परिणामों का दस्तावेजीकरण करेंगे। एम.जी.एन.सी.आर.ई. इंटर्न देश भर में 27 राज्यों के 250 जिलों में काम कर रहे हैं, जिसमें 2500 उच्चतर शिक्षण हैं जो स्थिरता प्रथाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। हमने सामुदायिक जुड़ाव के संस्थान (एच.ई.आई.) शामिल लिए सलाह सामाजिक उत्तरदायित्व और सुविधा, अकादमिक नेतृत्व के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम, और इंटर्नशिप और शिक्षुता पर सलाह और सुविधा पर 50 संकाय विकास कार्यक्रम पूरे किए हैं। इन क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में सकारात्मक परिणामों के साथ बड़ी संख्या में फैकल्टी की भागीदारी देखी गई। प्रतिभागियों को डिग्री कॉलेजों के छात्रों के लिए स्किलिंग, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के महत्व पर संबोधित किया गया। 6-दिवसीय एफ.डी.पी. में 2-दिवसीय फील्ड विजिट घटक शामिल था, जिसमें संकाय को आजीविका विश्लेषण के लिए फील्ड विजिट पर ले जाया गया था। देश भर में सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव पर कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यशालाओं का मुख्य परिणाम संस्थागत प्रकोष्ठों का गठन, एस.एस.एच.जी. का गठन और पूरे वर्ष उद्यमशीलता गतिविधियों के साथ महत्वपूर्ण मील के पत्थर दिवस मनाना है।

शिक्षु परस्पर संवादात्मक बैठकें आयोजित करके और जिला कलेक्टरों/मजिस्ट्रेटों और प्रशासनिक प्रमुखों द्वारा प्रचार पोस्टर जारी करवाकर उच्चतर शिक्षा संस्थानों में उद्यमशीलता को जोर-शोर से बढ़ावा दे रहे हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. पद्धति, अनुभवात्मक शिक्षा, कौशल और व्यावसायिक शिक्षा पर केंद्रित है। हमारे कार्यक्रमों में भाग लेने वाले शैक्षणिक सत्रों और क्षेत्र यात्राओं से सीखने की बारीकियों को सीखते हैं। एन.ई.पी. 2020 में सभी स्तरों पर व्यावसायिक शिक्षा घटक है। कौशल को बार-बार अनुभव के साथ विकसित किया जाता है। बार-बार अनुभव कौशल प्रदान करता है। तो अनुभवात्मक शिक्षा (सीखने का केवल एक उदाहरण) अनुभवात्मक शिक्षा नहीं है। सीखने के परिणामस्वरूप सीखा गया कोई भी नया व्यवहार भी एक कौशल है। इसलिए, हमें शारीरिक श्रम को अधिक महत्व देने की आवश्यकता है। एक डिग्री का मूल्य तभी होता है जब उसमें कौशल घटक शामिल हो। हमें कौशल के संदर्भ में पाठ्यक्रम का पुनर्निर्माण करने की आवश्यकता है।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई

"Karigari (Skill) and Karobari (Entrepreneurship) The twin aspects to make youth employable. Students should acquire the skills which could contribute towards making India a Vishwa Guru"

जनवरी 2023 - विद्यार्थी स्वयं सहायता समूह माह

सतत विकास तब होता है जब आंतरिक क्षमता को पहचाना जाता है। भारत भर के उच्चतर शिक्षण संस्थानों को अपने कॉलेजों और संस्थानों में छात्र स्वयं समूह बनाकर उत्साह के साथ निरीक्षण करने और सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है, और इस तरह कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा मिलता है।

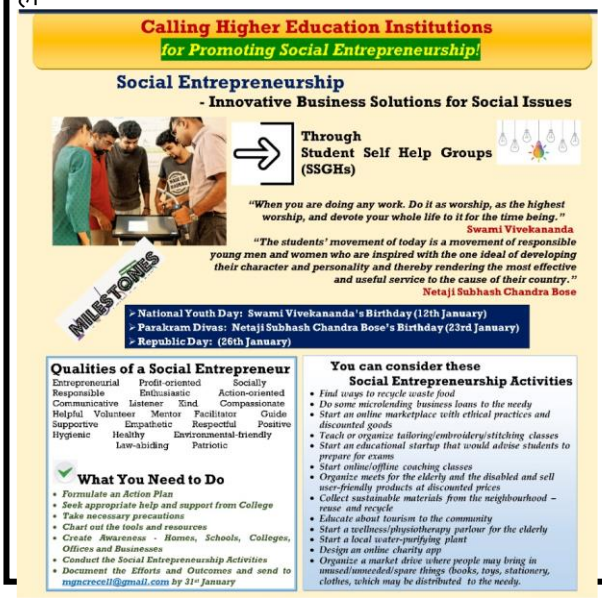

2023 की शुभकामनाएं! मैं एक ऐसे वर्ष की कामना करता हूं जो सभी के लिए नई उम्मीदें और खुशियां लेकर आए। एमजीएनसीआरई अपने वार्षिक एजेंडे को एक मजबूत और प्रगतिशील दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प करता है। संस्थागत प्रकोष्ठ - सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव (SESRE), ग्रामीण उद्यमिता विकास (RED) और व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और प्रायोगिक शिक्षा (VENTEL) को नवीन और उत्पादक गतिविधियों के साथ आगे बढ़ने के लिए सक्रिय किया गया। प्रशिक्षुओं ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए देश के सभी जिलों में जाकर जिला कलेक्टरों और प्रशासन प्रमुखों को प्रतियोगिता पोस्टर जारी करने और शैक्षिक संस्थानों को उद्यमशीलता गतिविधियों में भाग लेने के निर्देश दिए। स्वयं सहायता समूह आपसी सहयोग के विचार पर ध्यान केंद्रित करते हैं - छात्र एक दूसरे की और बड़े पैमाने पर समुदाय की मदद करते हैं। SSHG स्थिति और आवश्यकता के आधार पर कई अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति कर सकते हैं। वे सदस्यों को आर्थिक विकास, सशक्तिकरण और सामाजिक समानता प्रदान करते हैं जिससे वे आत्मनिर्भर, आत्मनिर्भर और आत्मनिर्भर बन सकें।

ऑडियो-विजुअल केस स्टडी छात्रों को उन संसाधनों तक पहुंचने में सक्षम बनाती हैं जो सीखने में सहायता करते हैं। ऑडियो और वीडियो का उपयोग भी ज्ञान को विभिन्न तरीकों से प्रस्तुत करना संभव बनाता है और शिक्षार्थियों के साथ बातचीत के विभिन्न रूपों को सक्षम बनाता है। ऑडियो और वीडियो सामग्री का उपयोग वास्तविक जीवन के परिदृश्य दिखाकर, अवधारणाओं की व्याख्या करके, सामाजिक समूहों का अवलोकन करके और चर्चा के लिए ट्रिगर के रूप में कार्य करके सीखने के संसाधनों को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ग्रामीण अध्ययन के लिए ऑडियो-विजुअल संसाधन प्रदान कर रहा है जो पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम को उपयुक्त रूप से समर्थन देगा।

देश भर में एससीईआरटी की कार्यशालाओं के बहुत उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। फैकल्टी ने कंटेंट एनालिसिस और वोकेशनल एजुकेशन पर मंथन किया। स्किलिंग के महत्व को सामने लाया गया है। एमजीएनसीआरई के पास वास्तव में किए गए उत्पादक और सक्रिय कार्यों की एक निपुण टोकरी है जो संकाय और छात्रों दोनों को लाभान्वित करती है।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

समझौता ज्ञापन

एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर छत्रपति साहू जी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर यू.पी. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने सामाजिक उद्यमिता स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव सेल के गठन और कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए किया। छात्र स्वयं सहायता समूहों का गठन संबद्ध कॉलेजों में प्रकोष्ठों के कामकाज की पहचान है। प्रो वाइस चांसलर प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

"जो आवश्यक है उसे करके शुरू करो, फिर वह करो जो संभव है; और अचानक आप असंभव कर रहे हैं। कॉलेजों में स्वयं सहायता समूह एम.जी.एन.सी.आर.ई. की बड़ी पहल है... प्रो. राज कुमार, वाइस चांसलर, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़। सामाजिक उद्यमिता स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव कोशिकाओं के गठन और कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ और एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। छात्र स्वयं सहायता समूहों का गठन संबद्ध कॉलेजों में प्रकोष्ठों के कामकाज की पहचान है।

जिला मजिस्ट्रेट और वैशाली, बिहार के डी.डी.सी., जिले में छात्रों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देते हैं

बिहार के मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी श्री प्रणव कुमार के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले एम.जी.एन.सी.आर.ई. के पोस्टर का विमोचन किया गया

बड़वानी (म.प्र.) जिला कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा आई.ए.एस. ने पोस्टर विमोचन किया

श्री प्रियांक मिश्रा जिलाधिकारी एवं दंडाधिकारी धार मप्र ने पोस्टर का विमोचन किया

श्री गौतम सिंह जिला कलेक्टर मंदसौर ने उद्यमिता पर पोस्टर लॉन्च किया

उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और एस.एस.एच.जी. बनाने के लिए एच.ई.आई. के साथ बातचीत - पोस्टर एमआरएम

एम.आर.एम. कॉलेज, दरभंगा, बिहार

सरकारी कॉलेज, भानपुर, बस्तर, छत्तीसगढ़

गर्ल्स कॉलेज, कटनी

छत्रपाल सरकारी पी.जी. कॉलेज, पन्ना एम.पी.

प्रो. रेणु जैन कुलपति, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, म.प्र. पोस्टर का poster

प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन पोस्टर का विमोचन किया

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा, बिहार के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र प्रताप सिंह एम.जी.एन.सी.आर.ई. का पोस्टर लॉन्च

कौशल निर्माण को मिलेगा बढ़ावा

उद्यमिता को बढ़ावा देने महाविद्यालयों में गठित होंगे एसएसएचजी

पीजी कालेज में पोस्टर का प्रदर्शन

एस.सी.ई.आर.टी. पश्चिम बंगाल में कार्यशाला 6-7 दिसंबर

- डॉ. चंदा रे, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., पश्चिम बंगाल मुख्य अतिथि थीं

प्रतिभागियों को पाठ योजनाओं और कार्यशाला के सीखने के परिणाम देने के लिए कहा गया। प्रत्येक प्रतिभागी ने अपनी पाठ योजना, सामग्री विश्लेषण विषय और कक्षावार साझा किया और अधिक सुधार के लिए सहकर्मी मूल्यांकन किया।

एस.सी.ई.आर.टी. असम में कार्यशाला 12-13 दिसंबर

डॉ. निरदा देवी, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., असम ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला की शोभा बढ़ाई।

प्रतिभागियों को विषय पद्धतियों [विज्ञान, गणित, भाषा और सामाजिक अध्ययन] के आधार पर चार टीमों में गठित किया गया था और सामग्री विश्लेषण और लघु शोध परियोजना पर चर्चा पर मंथन करने के लिए कहा गया था।

6 - दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम

इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के लिए मार्गदर्शन और सुविधा

रोजगार और उद्यमिता के लिए छात्रों का कौशल विकास

आंध्र प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों के संकाय के लिए 25-25 बैचों में आठ संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए - 28 नवंबर से 3 दिसंबर, 5-10 दिसंबर, 12-17 दिसंबर और 19-24 दिसंबर। आंध्र प्रदेश सरकार ने 2020 में एक संशोधित विकल्प-आधारित क्रेडिट सिस्टम (सी.बी.सी.एस.) पाठ्यक्रम लाया, जिसमें 10 महीने की अनिवार्य इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ऑन द जॉब ट्रेनिंग को पाठ्यक्रम की रूपरेखा में शामिल किया गया है। संशोधित पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष (2020-21) से लागू हुआ। इस संबंध में, आंध्र प्रदेश के सभी उच्चतर शिक्षा संस्थानों में नामांकित छात्रों को जनवरी 2023 से 6 महीने की अप्रेंटिसशिप दी जाएगी। इस संदर्भ में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. की 6-दिवसीय एफ.डी.पी. का उद्देश्य परिणाम-आधारित शिक्षण दृष्टिकोण के माध्यम से छात्रों के कौशल विकास को बढ़ावा देना है। अपने छात्रों को कौशल-उन्मुख शिक्षा प्रदान करने में शामिल आवश्यक अवधारणाओं और प्रक्रियाओं पर आंध्र प्रदेश के विभिन्न एच.ई.आई. के संकाय सदस्यों को सलाह देकर।

आई.सी.ए.आर.-नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट (एन.ए.ए.आर.एम.), सिटी कॉलेज, स्वर्ण भारती ट्रस्ट और आस-पास के उद्यमशीलता और व्यवसाय से संबंधित कार्यस्थलों का फील्ड दौरा किया गया ताकि प्रतिभागियों को पड़ोस की आजीविका के अवसरों का अध्ययन करने में सक्षम बनाया जा सके। अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप पर सलाह और सुविधा पर एफ.डी.पी. के प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने डिग्री कॉलेजों के छात्रों के लिए स्किलिंग, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के महत्व पर बात की। सत्रों में शिक्षा-कार्य संबंध, कैरियर के अवसर, क्षेत्र कौशल परिषद, सरकारी कौशल निकाय, आकलन और मूल्यांकन तकनीकों पर प्रकाश डाला गया। सामुदायिक सेवा परियोजना और अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष ध्यान दिया गया। सामुदायिक सेवा परियोजना पारस्परिक लाभ के लिए समुदाय को कॉलेज से जोड़ने के लिए है। गाँव/स्थानीय विकास के लिए कॉलेज के छात्रों के केंद्रित योगदान से समुदाय लाभान्वित होगा। कॉलेज को छात्रों के बीच सामाजिक संवेदनशीलता और जिम्मेदारी विकसित करने का अवसर मिलता है और यह एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार संस्थान के रूप में भी उभरता है।

क्षेत्र कौशल परिषदों की भूमिका और उद्योग-अकादमिक अंतर को दूर करने के लिए सहयोगी प्रयासों की आवश्यकता पर चर्चा की गई। सत्रों ने ओ.डी.ओ.पी. पहल के जिला संसाधन व्यक्तियों के साथ बातचीत करने और छात्रों और स्थानीय समुदाय के साथ परिणामों को जोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कौशल के आकलन और मूल्यांकन में अपनाए जाने वाले सिद्धांतों को सूचीबद्ध किया गया। एफ.डी.पी. परिणाम - इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप गतिविधियों के कार्यान्वयन में समस्याओं और चुनौतियों की पहचान; चिन्हित समस्याओं/चुनौतियों के समाधान के लिए संभावित समाधानों/विकल्पों पर चर्चा; इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप के लिए विभिन्न भूमिकाओं, कर्तव्यों, ज्ञान, कौशल और व्यवहार की पहचान; और इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर अनुभव साझा करना।

पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. (पी.एस.एस. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन) भोपाल से सौरभ प्रकाश द्वारा कौशल मूल्यांकन पर ऑनलाइन सत्र।

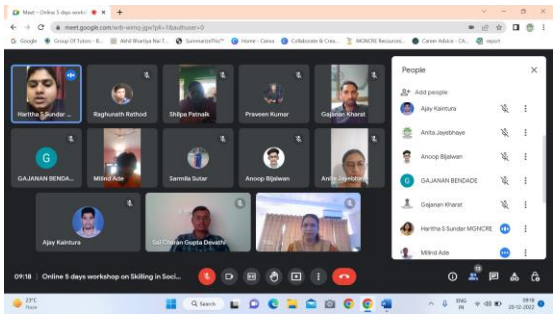

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा 19-23 दिसंबर 2022 तक सोशल वर्क करिकुलम में स्किलिंग पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षुओं ने क्षेत्र में सामाजिक कार्य का अभ्यास करने के लिए आवश्यक विभिन्न कौशल सीखे और अभ्यास किए। एम.जी.एन.सी.आर.ई. अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है और इसका अभ्यास करने का एक प्रमुख तरीका वीडियो केसलेट के माध्यम से है। श्रीमती हरिता ने स्क्रिप्ट लिखने और वीडियो आधारित पाठ योजना बनाने के बारे में सत्र लिया। लोगों की समस्याओं का कारण जानने की कोशिश करने, गहन बातचीत के माध्यम से सामाजिक निदान विधियों का उपयोग करके पूछताछ और पता लगाने और लोगों को खुद की मदद करने पर जोर दिया गया। अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कहा, "यदि आपके पास कौशल नहीं है और आपको क्षेत्र में लोगों के साथ योग्यता विकसित करने के लिए क्षेत्र में होना है तो हम एक कौशल नहीं सिखा सकते हैं।" समूह कार्य, सामाजिक कार्य, केस कार्य, सामाजिक क्रिया, सामाजिक प्रशासन और 10 क्षेत्र स्थितियों का उपयोग करके समाज कार्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में कई स्थितियों को खोजना, काम करना और समझाया जा सकता है और वीडियो ग्राफी की जानी है - ग्रामीण समुदाय क्षेत्र; परिवार और बच्चे; स्कूल सामाजिक कार्य; एम.पी.एस.डब्ल्यू.; समुदाय; सुधारात्मक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व; एच.आर.एम.; विकलांगता कल्याण; जेरोन्टोलॉजी और सामाजिक उद्यमिता।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा 19-23 दिसंबर तक बैचलर ऑफ सोशल वर्क चार वर्षीय यूजी डिग्री (ऑनर्स विद रिसर्च) के पाठ्यक्रम विकास पर पांच दिवसीय ऑफ़लाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के संसाधन व्यक्तियों के साथ-साथ हैदराबाद, दिल्ली और आंध्र प्रदेश के सामाजिक कार्य चिकित्सकों, विशेषज्ञों और संकायों ने कार्यशाला में भाग लिया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. की अध्यक्ष डॉ.पूनम गुलिया, प्रो. सरस्वती राजू अय्यर, सुश्री सुमा निवेदिता के, श्री हरिंदर मेकाले, श्री यशवंत संदुपतला और सुश्री मनीषा करापे ने सामाजिक कार्य के पाठ्यक्रम के मसौदे पर चर्चा और समीक्षा की।

---

16 से 18 दिसंबर तक "संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक जुड़ाव के लिए सुविधा के लिए परामर्श" पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रबंधन अध्ययन विभाग, आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश के 21 प्रतिभागियों ने एफ.डी.पी. में भाग लिया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष प्रो. चेतन चितलकर, श्री साई सुधीर, श्री नवीन और श्री सुधीर कुमार द्वारा सत्र लिया गया। सलाह, इंटर्नशिप, शिक्षुता, मूल्यांकन, कौशल मूल्यांकन और कौशल परिषदों की अवधारणाओं पर अभिविन्यास और प्रशिक्षण दिया गया।

यू.जी.सी.-एच.आर.डी.सी. जे.एन.वी.यू. जोधपुर राजस्थान 5-10 दिसंबर - 6-दिवसीय सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तस्ता के लिए सुविधा के लिए सलाह संस्थानों पर संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन यू.जी.सी.-एच.आर.डी.सी. में किया गया। जे.एन.वी.यू. जोधपुर राजस्थान, स्थल आई.आई.टी. जोधपुर में मुख्य अतिथि प्रोफेसर अंबरीश एस. विद्यार्थी कुलपति बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय राजस्थान और प्रो. राजेश दुबे, निदेशक, यू.जी.सी.-एच.आर.डी.सी., जे.एन.वी.यू., राजस्थान थे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्चतर न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर थे। प्रो. अंबरीश ने कहा "शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है और कोई स्थायी कौशल नहीं है। कौशल को जरूरत के हिसाब से अपडेट करना होगा। आज की जरूरतें 70 और 80 के दशक की जरूरतों से अलग हैं। मुझे आशा है कि आप सभी अच्छी समूह अनुशंसाओं के साथ आएंगे। आर.आई.ई. भोपाल के कई संकाय सदस्यों ने पहले के एन.सी.एफ. और वर्तमान एन.ई.पी. 2020 में भी योगदान दिया है और यहाँ भी सार्थक योगदान देंगे।

जोधपुर जिले की ओसियां तहसील के नंदिया कलां गांव का दौरा

एस.सी.ई.आर.टी. में कार्यशाला

विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा

एस.सी.ई.आर.टी. तेलंगाना 7 दिसंबर

श्रीमती एम. राधा रेड्डी रेड्डी, निदेशक एस.सी.ई.आर.टी. तेलंगाना ने प्रतिभागियों को किए गए प्रयास और परिणाम के लिए बधाई दी। डॉ. अनुराधा रेड्डी, एस.सी.ई.आर.टी. संकाय और कार्यक्रम की समन्वयक ने कार्यशाला के अपने विचारों को साझा किया और कार्यशाला के विषय की सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्यशाला ने पाठ योजनाओं को नए तरीके से देखने में मदद की और उनके कौशल को तरोताजा किया। श्रीमती पद्मा जुलूरी, राष्ट्रीय वेंटेल समन्वयक और संसाधन व्यक्ति, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने प्रतिभागियों के काम की सराहना की और उनकी सामग्री विश्लेषण और पाठ योजना प्रस्तुतियों के पीछे के प्रयास की सराहना की।

कार्यशाला के अपेक्षित परिणाम:

- ग्रेड 9 और 10 पाठ्यक्रम के लिए व्यक्तिगत रूप से विषयवार सामग्री विश्लेषण दस्तावेज तैयार करने के लिए उन विषयों/उपविषयों को सूचीबद्ध करना जिनसे व्यवसाय/पेशा को जोड़ा जा सकता है।
- व्यक्तिगत रूप से ग्रेड 9 और/या 10 पाठ्यक्रम के लिए विषयों/उपविषयों को एकीकृत करने वाले व्यवसाय/पेशा के लिए विषय-वार पाठ योजना तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए जोड़ा जा सकता है।
- लघु अनुसंधान आवेदनों को पूरा करने और जमा करने के लिए

श्रीमती राधा रेड्डी ने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे पाठ्य पुस्तकों के अध्याय दर अध्याय पढ़ें और उन्हें व्यवसायों और व्यवसायों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि एक न्यूनतम कौशल व्यावसायिक कौशल सूची होनी चाहिए, जिसमें सभी छात्रों को स्कूल छोड़ने से पहले कुशल होना चाहिए। स्कूली बच्चों में बहुत प्रतिभा होती है और एन.ई.पी. 2020 प्रकृति में अंतःविषय होने के कारण आत्मनिर्भर छात्र तैयार करेगा। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला की गतिविधियों को पूरा करने और 4 विषय पद्धतियों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रस्तावित लघु शोध परियोजना में सक्रिय रूप से भाग लेने का भी आग्रह किया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार ने अपने संदेश को वर्चुअली साझा किया - *"हमारी आवश्यकता पाठ्यक्रम से उन अनावश्यक पहलुओं को कम करने की है जो किसी के लिए या सभी के लिए आवश्यक नहीं हैं। यानी हमें पाठ्यक्रम के भार को 25% तक कम करने की आवश्यकता है। पाठ्यक्रम में विकल्प होने चाहिए। हमारा लक्ष्य हर किसी को शिक्षक या शोधकर्ता बनाना नहीं है। ऐसा कोई अवसर नहीं है। केवल वही जो अनुप्रयोग उन्मुख है उसका 97% दायरा है। सिद्धांत में 3% गुंजाइश है। इस टीम के पास इन पहलुओं पर प्रभाव डालने का शानदार मौका है। 1000 छात्रों में से एक को ही मिलेगा शिक्षक, एक को ही मिलेगा शोधकर्ता बनने का मौका अन्य सभी कार्य के अन्य क्षेत्रों में प्रवेश करते हैं। हमें काम की दुनिया में प्रवेश करने वाले 97% छात्रों में कौशल का निर्माण करने की आवश्यकता है।"*

डी.एस.ई.आर.टी.-कर्नाटक, बेंगलुरु 13-14 दिसंबर

स्थान- डाइट बैंगलोर शहरी, आरआर नगर, बेंगलुरु

"व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता है घंटा और जैसा कि एन.ई.पी. 2020 द्वारा अनुशंसित किया गया है, हमें शिक्षक शिक्षा और स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम में पाठ्यचर्या में बदलाव लाने की आवश्यकता है" श्री हसन मोहिद्दीन, प्राचार्य डाइट बैंगलुरु शहरी और उप निदेशक (विकास), डी.एस.ई.आर.टी. कर्नाटक ने कहा। श्री शिवमदप्पा एम, संयुक्त निदेशक, डी.एस.ई.आर.टी. कर्नाटक ने स्कूल में एस.यू.पी.डब्ल्यू. के अपने अनुभवों को साझा किया और बताया कि कैसे उनके स्कूल में उत्पादक कार्य के रूप में बढ़ईगीरी की जाती थी। उन्हें खुशी थी कि एकीकरण व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से इसे स्कूल के पाठ्यक्रम में वापस लाया जा रहा है। उन्होंने प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम के क्षेत्रों के लिए स्थानीय व्यवसायों के साथ आने के लिए प्रोत्साहित किया, जिन्हें पाठ्य पुस्तकों और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एकीकृत किया जा सकता है। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती द्वारा किया गया। एन पार्वती, तकनीकी सहायक डी.एस.ई.आर.टी. और श्रीमती पी राधा, वरिष्ठ सहायक निदेशक, एस.ए.डी.पी.आई., डी.एस.ई.आर.टी. जबकि श्रीमती पद्मा जुलूरी एम.जी.एन.सी.आर.ई. की रिसोर्स पर्सन थीं। कार्यशाला विचारोत्तेजक थी और छात्रों के बीच अनुभवात्मक शिक्षा और कौशल निर्माण सुनिश्चित करने के लिए ग्रेड 9 और 10 के पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा को आसानी से एकीकृत करने के लिए आगे का रास्ता दिखाने के लिए इसकी सराहना की गई।

प्रतिभागियों ने विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित और भाषा (अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़) ग्रेड 9 और/या 10 के पाठ्यक्रम के लिए सामग्री विश्लेषण और पाठ योजना रणनीतियों को प्रस्तुत किया।

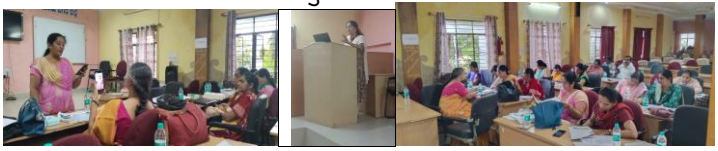

एस.सी.ई.आर.टी. महाराष्ट्र पुणे ने शिक्षक शिक्षा में अपनाई गई शिक्षण विधियों में व्यावसायिक शिक्षा पद्धति के एकीकरण पर 2 दिवसीय एस.सी.ई.आर.टी. स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया और स्कूली शिक्षा। जो चार शिक्षण-अधिगम पद्धतियों में से प्रत्येक में व्यावसायिक शैक्षिक पद्धति के एकीकरण पर प्रतिभागियों की क्षमता निर्माण पर केंद्रित था। एम.एस.सी.ई.आर.टी. के संयुक्त निदेशक श्री रमाकांत काठमोर और उप निदेशक डॉ. नेहा बेलसरे ने इस पहल के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सराहना की। ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन की आवश्यकता और महत्व पर बल दिया गया।

समापन सत्र की अध्यक्षता उपनिदेशक डॉ. नेहा बेलसरे, डॉ. कमलादेवी आवटे, डॉ. सावरकर और पुणे डायट की प्राचार्या डॉ. शोभा खंडारे ने की. समापन के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़ रायपुर 1-2 दिसंबर

डॉ. राजेश राणा, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़ एवं डॉ. निशि भामरी, अपर निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. कार्यशाला का उद्घाटन छत्तीसगढ़ ने किया। श्रीमती प्रीति सिंह, व्याख्याता, एस.सी.ई.आर.टी.-छत्तीसगढ़ ने कार्यक्रम का समन्वयन किया, जबकि डॉ.योगिता मंडोले एम.जी.एन.सी.आर.ई. की संसाधन थीं। डॉ. राजेश राणा ने एस.सी.ई.आर.टी. के संकाय अगले पाठ्य पुस्तक संशोधन अभ्यास के दौरान कार्यशाला से मिली सीख को शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला की गतिविधियों को पूरा करने और 4 विषय पद्धतियों में एमजीएनसीआरई द्वारा प्रस्तावित लघु शोध परियोजना में सक्रिय रूप से भाग लेने का भी आग्रह किया।

एस.सी.ई.आर.टी. गुजरात गांधीनगर 14-15 दिसंबर

डॉ. निपा डी. पटेल, रीडर, एस.सी.ई.आर.टी.-गांधीनगर, गुजरात उद्घाटन के मुख्य अतिथि थे, जबकि श्री हिरेन पंड्या कार्यक्रम अधिकारी, एस.सी.ई.आर.टी.-गांधीनगर ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया। कार्यशाला सामग्री विश्लेषण, पाठ योजना और प्रस्तुतियाँ तैयार करने पर केंद्रित थी। प्रतिभागी गतिविधि के बारे में उत्साहित थे और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सराहना की।

एस.सी.ई.आर.टी. दिल्ली 15-16 दिसंबर

डॉ. नाहर सिंह, संयुक्त निदेशक, एससीईआरटी, दिल्ली मुख्य अतिथि थे, जबकि वक्ता (संसाधन व्यक्ति) डॉ. भारतेंदु गुप्ता, सहायक थे। प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., डॉ. सुनील कुमार, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., और डॉ. अनिल कुमार दुबे, एम.जी.एन.सी.आर.ई. समन्वयक। इसमें डाइट/एस.सी.ई.आर.टी. के 25 संकाय ने भाग लिया। डॉ. नाहर सिंह ने प्रतिभागियों को किए गए प्रयास के लिए बधाई दी, प्रतिभागियों के काम की सराहना की और उनके सामग्री विश्लेषण और पाठ योजना प्रस्तुतियों के पीछे के प्रयास की सराहना की।

एस.सी.ई.आर.टी. देहरादून 1-2 दिसंबर

श्रीमती आशा पेनुली (संयुक्त निदेशक, राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान) ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला की शोभा बढ़ाई, जबकि राकेश जुगरान (प्राचार्य डायट देहरादून), सोहन नेगी (व्याख्याता, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तराखंड, देहरादून) कार्यशाला के सूत्रधार थे और श्री रविदर्शन टोपवाल (एस.सी.ई.आर.टी., एन.ई.पी. सेल) प्रो. सौरभ प्रकाश (पी.एस.एस.सी.ई.वी.ई. भोपाल) द्वारा "10 बैग लेस डेज" पर ऑनलाइन सत्र लिया गया। श्रीमती आशा पेनुली ने उत्तराखंड में पर्यटन, स्थानीय खाद्य पदार्थ और फलों से संबंधित स्टार्टअप को बढ़ावा देने पर जोर दिया। स्थानीय उत्पादों को बाजारों से जोड़ा जा सकता है और उत्पादों को जोड़ने और बेचने के तरीकों पर विचार करने की आवश्यकता है।

छात्र उद्यमिता स्किलिंग यूथ फॉर एंप्लॉयबिलिटी 2022-23 का पोस्टर श्री सुरिंदर धैया संयुक्त निदेशक प्रशासन, चंडीगढ़ प्रशासन

जिला स्तरीय कार्यशाला
सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव

सामाजिक उद्यमिता-आधारित व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना

जिला स्तरीय कार्यशालाएं उद्देश्यों के साथ आयोजित की गईं - कॉलेज में उद्यमिता गतिविधियों को बढ़ावा देना; जिले के उच्चतर शिक्षा संस्थानों के बीच कौशल को बढ़ावा देना; सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तता को बढ़ावा देना; और छात्र स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए।

चंडीगढ़	रूसा बिल्डिंग सेक्टर 42 चंडीगढ़
मोहाली	चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, लैंडरेन मोहाली
पटियाला	पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला
लुधियाना	गोबिंदगढ़ पब्लिक कॉलेज अलौर, खन्ना
बरनाला	लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला महाविद्यालय, बरनाला
बठिंडा	अकाल विश्वविद्यालय भटिंडा
फरीदकोट	गवर्नमेंट बृजिंदरा कॉलेज फरीदकोट
फाजिल्का	गोपीचंद आर्य महिला महाविद्यालय अबोहर
फिरोजपुर	महिलाओं के लिए देव समाज कॉलेज
मोगा	संत दरबारा सिंह कॉलेज ऑफ एजूकेशन फॉर वीमेन लोपोन
होशियारपुर	दशमेश गर्ल्स कॉलेज चक अल्ला बक्श मुकेरियां होशियारपुर
पठानकोट	पठानकोट कॉलेज ऑफ एजुकेशन पठानकोट
गुरदासपुर	पं. मोहन लाल एस.डी. महिला महाविद्यालय
अमृतसर	अमृतसर लॉ कॉलेज अमृतसर

चंडीगढ़ के उच्चतर शिक्षा संस्थानों के प्रधानाचार्यों के साथ राउंड टेबल बैठक

दैनिक जागरण No. 1 प्रिंस तनेजा

सीजीसी में सामाजिक उद्यमिता आधारित व्यावसायिक शिक्षा पर वर्कशाप लगी

जी.पी.सी. ने किया जिला स्तरीय वर्कशाप का आयोजन

ਬੀ. ਐੱਡ ਕਾਲਜ ਲੋਪੋਂ ਵਿਖੇ ਜ਼ਿਲਾ ਪੱਧਰੀ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਆਯੋਜਨ

मोहाली पंजाब के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र सिंह (आई.पी.एस.) सेवानिवृत्त डी.जी.पी. पंजाब थे।

दशमेश गर्ल्स महाविद्यालय में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

Pathankot College of education organises one-day workshop

'सामाजिक उद्यमिता-आधारित व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना' के आसपास थीम्ड। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त परमजीत कौर मुख्य अतिथि रहीं।

पंजाब यूनिवर्सिटी पटियाला के वाइस चांसलर प्रो.अरविंद ने पोस्टर लॉन्च किया

लुधियाना के उच्चतर शिक्षा संस्थानों के नोडल अधिकारी।

श्री सूरज, पी.सी.एस. अतिरिक्त आयुक्त लुधियाना पंजाब मुख्य अतिथि थे।

श्री सुभाष चद्रा, अतिरिक्त उपायुक्त मोगा ने 2022-23 रोजगार के लिए छात्र उद्यमिता स्किलिंग यूथ पर गतिविधियों का पोस्टर जारी किया

अतिरिक्त उपायुक्त अंकुरजीत सिंह, आईएएस ने सामाजिक उद्यमिता आधारित व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला को बढ़ावा देने के दौरान स्टूडेंट एंटरप्रेन्योरशिप स्किलिंग यूथ फॉर एंप्लॉयबिलिटी 2022-23 का पोस्टर जारी किया

सामाजिक उद्यमिता आधारित व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बरनाला में जिला स्तरीय कार्यशाला। कार्यशला में कुल 11 उच्चतर शिक्षा संस्थानों ने भाग लिया।

डॉ. रजनीश अरोड़ा, आईकेजी के पूर्व कुलपति पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी कपूरथला ने स्टूडेंट एंटरप्रेन्योरशिप स्किलिंग यूथ फॉर एंप्लॉयबिलिटी 2022-23 पोस्टर लॉन्च किया

"कारीगरी किन्त [illegible]
कारीगरी क्रित्र -
[illegible]
[illegible] के जरिए
[illegible] के
जरिए होगा बढ़ावा"

प्रो. गुरमेल सिंह कुलपति अकाल विश्वविद्यालय।

BKSN College Shajapur MP

डा. बीएसआईपीएस में आयोजित हुई कार्यशाला

सामाजिक उद्यमिता एवं ग्रामीण जुड़ाव से राष्ट्र विकास में निभा सकते हैं अहम भूमिका

सामाजिक उद्यमिता एवं ग्रामीण सहभागिता पर हुई कार्यशाला

नेहरू सरकारी पी.जी. कॉलेज आगर मालवा म.प्र.

सुश्री रूही आई.ए.एस., उपायुक्त फरीदकोट ने फरीदकोट में जिला स्तरीय कार्यशाला के दौरान स्टूडेंट एंटरप्रेन्योरशिप स्किलिंग यूथ फॉर एंप्लॉयबिलिटी 2022-23 पोस्टर लॉन्च किया

अमृतसर के एच.ई.आई. के साथ बैठक

व्यावसायिक शिक्षा के बढ़ावे के लिए लगाई वर्कशाप

उच्चतर शिक्षा संस्थान, फाज़िल्का के नोडल अधिकारी उद्यमिता गतिविधियों, स्वच्छता गतिविधियों को बढ़ावा देने और फाज़िल्का के सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सभी सहायता प्रदान करते हैं। बरनाला के उच्चतर शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों द्वारा उद्यमशीलता गतिविधियों का पोस्टर लॉन्च किया गया।

डेली कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट डी.सी.बी.एम. इंदौर

मुझे उम्मीद है कि नया साल आपको बलिदान की एक बड़ी भावना, उद्देश्य की अधिक स्थिरता और आत्म-संयम की अधिक स्पष्ट सराहना देगा।

महात्मा गांधी

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

Department of Higher Education, Ministry of Education, Government of India

मुद्रित और प्रकाशित- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद की ओर से डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार,
मेसर्स साई लिखिता प्रिंटर्स पर मुद्रित, #एच.एन.ओ. 6-2-959, डी.बी.हिंदी प्रचार सभा परिसर, खैरताबाद, हैदराबाद-500004, तेलंगाना
#5-10-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान लेन, बैंड कॉलोनी, बशीर बाग, हैदराबाद-500004, तेलंगाना में प्रकाशित
संपादक : डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, सेल: 9849908831, मेल: wgpkncri@gmail.com RNI NO: TELENG/2021/81111